



॥ श्री यमदेव जी की आरती ॥

॥ ॐ यमाय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री यमदेव जी की आरती ॥

जय धर्मराज यम देवा, प्रभु जय धर्मराज यम देवा।
सूर्यतनय न्यायाधीश, करुणा बरसाओ देवा॥॥
दण्ड धरे कर शोभित, महिष वाहन साजे।
चित्रगुप्त संग विराजो, कर्म लेखा भाजे॥॥

जय धर्मराज यम देवा...
सत्य धर्म के रक्षक, न्याय सदा तुम करते।
पाप-पुण्य का फल देकर, जग का हित ही धरते॥॥

जय धर्मराज यम देवा...
दीन जनों के पालनहार, शरणागत सुखकारी।
भक्तों पर कृपा बरसाओ, हरो विपदा भारी॥॥

जय धर्मराज यम देवा...
क्रोध, लोभ, मद, मोह हरौ, सद्बुद्धि हमें दीजै।
धर्ममार्ग पर चलने की, प्रभु शक्ति भर दीजै॥॥

जय धर्मराज यम देवा...
पितृगण के स्वामी तुम हो, उनका मान बढ़ाओ।
हम सब पर शुभ दृष्टि रखकर, जीवन सफल बनाओ॥॥

जय धर्मराज यम देवा...
अंत समय जब प्राण निकलें, स्मरण तुम्हारा होवे।
धर्मयुक्त जीवन देकर, सद्गति हमको होवे॥॥

जय धर्मराज यम देवा...

जो जन श्रद्धा से नित गावे, मनवांछित फल पावे।
धर्म, यश, सुख, शांति, समृद्धि, प्रभु कृपा बरसावे॥॥
जय धर्मराज यम देवा, प्रभु जय धर्मराज यम देवा।
सूर्यतनय न्यायाधीश, करुणा बरसाओ देवा॥॥

